कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना

कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना,
हम दुखियों का बाबा दिल ना तोड़ना
मर जायेगे हम खाटू में आये बिना मन मोहना,
कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना,

कितने दिन बाबा बीते बीती है कितनी राते,
कब होगी तेरी मेरी वो मीठी मीठी बाते,
इस हाल में बाबा हम को तुम न छोड़ना मन मोहना,
कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना,

तेरे रहते तेरी चौकठ बाबा कैसे है खाली .
आने को तरसे बाबा जाने कितने सवाली,
इस बंधन को अब बाबा तुम ही खोलना,मन मोहना,
कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना,

आजा अब प्रेम बड़ा जा रिश्ता तू अपना निभा जा
राखी है बेटी तुम्हारी दुनिया को आके बता जा
हारे से रिश्ता बाबा न कभी तोडना,मन मोहना,
कब तक छुप बैठे अब तो पट है खोलना,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16020/title/kab-tak-chup-bethe-ab-to-pat-hai-kholna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |